



एड्स के संक्रमण को रोकने हेतु टीके का आविष्कार आवश्यक

 drishtiiias.com/hindi/printpdf/vaccine-is-necessary-to-prevent-aids

संदर्भ :

बढ़ते एचआईवी/एड्स के मामलों तथा इसके चलते होने वाली मृत्यु के कारण हाल ही में भारतीय वैज्ञानिकों ने एक टीके का विकास किया है। दरअसल, वैज्ञानिकों ने C-11 नामक एक एंटीबॉडी को खोजा है जो इस टीके को बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

महत्वपूर्ण बिंदु

- विश्व में किसी भी देश ने अब तक ऐसा टीका विकसित नहीं किया है। इस टीके के विकास से अब इस घातक बीमारी का आरम्भिक अवस्था में ही इलाज संभव हो सकेगा।
- इसके द्वारा एचआईवी/एड्स सबटाइप-C का इलाज संभव हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि भारत एवं अफ्रीका के 90% एचआईवी/एड्स पीड़ित लोग इसी श्रेणी के हैं।
- वस्तुतः यह टीका “निष्क्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली” में भी सहायक होगा। इस प्रणाली से ऐसे रोगियों का इलाज किया जाता है जो अकस्मात इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं।

भारत के लिये राहत की बात

- भारत में एचआईवी/एड्स के रोगियों की संख्या कुल जनसंख्या का 0.26% (लगभग 2.1 मिलियन) है। हालाँकि, हाल के वर्षों में एचआईवी/एड्स के रोगियों में कमी आई है।
- एचआईवी/एड्स के नए मामलों में 2015 में 32% की कमी आई है। इसके अलावा, एचआईवी/एड्स से मरने वालों की संख्या में भी 2015 में 54% की कमी आई है।

एचआईवी/एड्स (HIV/AIDS)

ह्यूमन एम्पुनोडेफिसियान्सी वायरस (HIV) एक विषाणु है जो हमारे प्रतिरक्षा तंत्र में अवस्थित टी-कोशिकाओं (T CELLS) को प्रभावित करता है, जिससे एक्राइड एम्पुनोडेफिसियान्सी सिंड्रोम (AIDS) हो जाता है।

कारण : असुरक्षित यौन संबंधों से, गर्भवती महिला द्वारा शिशु को, संक्रमित रक्त के द्वारा।

प्रारंभिक अवस्था के लक्षण: बुखार, जोड़ों में दर्द, थकावट, शरीर पर लाल धब्बे, लगातार वजन में कमी, रात में पसीना आना, गले में सूजन आदि।

बाद की अवस्था के लक्षण: डायरिया, आँखों के सामने अंधेरा छाना, गला सूखना, अत्यधिक थकावट होना, 100 डिग्री के आसपास बुखार का बना रहना आदि।